Aayushi International Interdisciplinary Research Journal (AIIRJ)

| VOL- XI | ISSUE- I | JANUARY | 2024 | PEER REVIEW e-JOURNAL | IMPACT FACTOR 8.02 | ISSN 2349-638x |
|---|---|---|---|---|---|---|

# स्वतंत्रता पूर्व इंदौर मे पत्रकारिता का विकास : एक अध्ययन

**श्री राकेश कोटिया**
सहायक प्राध्यापक इतिहास
श्री कृष्णाजीराव पवार शासकीय
स्नातकोत्तर महविध्यालय देवास म. प्र.
rakesh.kotiya@rediffmail.com

पत्रकारिता का विकास मानव की जागरूकता के साथ ही हुआ है। भारत मे आधुनिक पत्रकारिता ब्रिट्रिश शासन कल के आगमन के हुआ है। भारत मे पत्रकारिता का जन्म 29 अगस्त 1780 ई. को जेम्स अगस्टन हिकी के ‘ **बंगाल गजट** ’ से हुआ ओोर हिन्दी का प्रथम समाचार पत्र **‘उदंत मार्तण्ड’** 30 मई को कलकत्ता से प. जुगल किशोर शुक्ल ने प्रकाशित किया। मध्यप्रदेश मे प्रमुख भाषा हिन्दी होने के कारण हिन्दी की समाचार पत्र का वर्चस्व होना स्वाभिक ही है साथ ही उर्दू पत्रकारिता, अंग्रेजी एवं मराठी पत्रकारिता का भी पर्याप्त रूप से विकास हुआ है।

1826 ई. मे मालवा से हिन्दी साप्ताहिक “मालवा अखबार” प्रकाशित हुआ। इस अखबार के संपादक पं. प्रेम नारायण थे, जो इंदौर इंग्लिश मदरसे के शिक्षा अधीक्षक भी थे। अखबार का आकार फूलस्केप 11”×8” था ओर यह लिथो प्रेस पर छपता था। वार्षिक मूल्य 12 रुपये ओर एक प्रति का मूल्य चार आना था। प्रारंभ मे यह हर मंगलवार को बाद मे हर बुधवार को ओर अपने अंतिम समय मे प्रति शुक्रवार को हिन्दी एवं उर्दू मे प्रकाशित होता था।

मालवा अखवार के अतिरिक्त इंदौर से ही 1852 ई. में “दिल्ली अखवार” भी प्रकाशित हुआ। 1861 ई. में इंदौर से ही “पूर्ण चंद्रोदय” नामक एक मराठी साप्ताहिक पत्र प्रकाशित हुआ जिसके संपादक श्री वासुदेव वल्लार मुड़े थे, यह पत्र 1865 ई. तक प्रकाशित हुआ। इंदौर का अन्य प्रमुख साप्ताहिक अखबार “होल्कर सरकार गजट” 21 अप्रैल 1873 ई. को मराठी भाषा मे प्रकाशित हुआ। पहले यह लिथो प्रेस मे छपता था कुछ समय बाद मे यह होल्कर स्टेट प्रेस से छपने लगा। 1905 ई. के बाद यह हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा मे भी प्रकाशित होने लगा था। इस अखबार का वार्षिक मूल्य 6 रुपए, माक्षिक मूल्य 12 आना तथा एक अंक की कीमत चार आना होती थी। 1900 ई. के समय एस गजट के मुख पेज पर स्टेट की मुद्रा सूर्य, घोडा, बैल, भाला, तलवार, अफीम का फूल तथा गेहूँ का पोंधा छपा होता था। मुद्रा के मध्य मे एक वाक्य “प्राहोमे शोलंया श्री कुर्तुप्राख्यात” अंकित राहत था।

होल्कर स्टेट के कर्मचारियों को यह अखबार खरीदना अनिवार्य होता था। 25 रुपए से काम आमदनी वाले कर्मचारियों को आधा शुल्क एवं 25 रुपए से अधिक आमदनी वाले कर्मचारियों को पूर्ण शुल्क देना होता था। चूंकि यह गजट सरकारी सरंक्षण मे चल रहा था तो उसका नजरिया भी सीमित ( सरकारी विवरण अधिक आम जनता के बहुत कम ) होता था। आम जनता के मध्य यह अखबार साप्ताहिक पंचांग ही लोकप्रिय रहा, इसमे सप्ताह भर के तीज-त्योहार की जानकारी होती थी।

1882 ई. मे इंदौर से एक ओर साप्ताहिक अखबार “रेलवे समाचार” त्रिभाषीय हिन्दी, उर्दू , मराठी में प्रकाशित हुआ। 1901 ई. होल्कर राज्य ने पहली “डाक विभाग दर्शिका” का प्रकाशन इंदौर से किया। 1902 ई. में मराठी मासिक “वेदिक धर्म” का प्रकाशन इंदौर से हुआ। 1906 ई. मे मराठी पत्रिका ‘आनंद’ प्रकाशित हुई। 1907 मे त्रिमासिक मराठी पत्रिका ‘विधार्थी’ प्रो शांताराम अनंत देसाई ने इंदौर से प्रकाशित की। 1912 ई. त्रिमासिक “इंदौर स्टेट मेडिकल एण्ड सेनेटरी जर्नल” का अंग्रेजी मे प्रकाशन आरंभ हुआ। 1915 ई. मे होल्कर कॉलेज मेगजीन भी प्रकाशित हुई।

1915 ई. मे हिन्दी मासिक “नवजीवन” इंदौर से भी प्रकाशित होने लगा इसके संपादक श्री केशव शास्त्री जी थे। उनके अमेरिका जाने के कारण अखवार का प्रकाशन बंद हो गया। नवजीवन का पुन:प्रकाशन श्री द्वारकाप्रसाद सेवक ने

आरंभ किया। 21 नवम्बर 1915 को हॉलकेर स्टेट में एक अर्द्ध सरकारी त्रिभाषिक (हिन्दी,अंग्रेजी, मराठी) साप्ताहिक अखबार 'मल्हार मार्तण्ड विजय' का प्रकाशन आरंभ हुआ जिसके संपादक गोविंद आप्टे ओर उनके सहायक सुखसंपतिराय भण्डारी थे। इसका वार्षिक मूल्य तीन रुपए था। 1918 से इंदौर से 'क्रिश्चन कॉलेज बुलेटिन' का प्रकाशन आरंभ हुआ। इसी समय महू से 'सत्यार्थ पत्रिका' इसाई मिशन की ओर से प्रकाशित होती थी जिसके संपादक आर. एफ. जे. एंडर्सन थे। 1923 मे 'भारतीय आदर्श' नामक एक साप्ताहिक पत्र छावनी इंदौर से प्रकाशित हुआ इसके संपादक श्री द्वारकाप्रसाद सेवक थे। 1919 में 'विविध' तथा 'चंदप्रभा' नामक मासिक पत्रिका का प्रकाशन इंदौर से हुआ। 1927 में संपादक श्री हरिभाऊ उपाध्याय ने इंदौर से मासिक पत्र 'त्यागभूमि' का प्रकाशन कराया। 1927 मे राऊ के गुरुकुल से 'विद्या' नामक मासिक पत्रिका आरंभ हुई इसके संपादक-प्रकाशक दीवान नारायण प्रसाद थे।

1926 का वर्ष इंदौर मे पत्रकारिता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था इंदौर की मध्य भारत हिन्दी साहित्य समिति ने 'वीणा' नामक पत्रिका का प्रकाशन आरंभ किया। इस पत्रिका ने इंदौर की पत्रकारिता को मजबूत आधार दिया, इसके प्रथम संपादक श्री अंबिका प्रसाद त्रिपाठी थे। इसके कुछ विशेषांक अत्यंत ही लोकप्रिय रहे – अहिल्यांक (1928), ग्राम सुधार अंक (1940), कालिदास अंक (1956) इत्यादि। इस पत्रिका को अधिकाधिक जन उपयोगी एवं स्तरीय बनाने मे विद्वान संपादकों का योगदान रहा है।

इंदौर मे अंग्रेजी पत्रकारिता का आरंभ 1930 से 'प्रिन्सली इण्डिया' के प्रकाशन से हुआ इसके संपादक श्री पिल्लई थे। 1931 में इंदौर से मराठी मासिक पत्रिका 'धर्म प्रकाश माला' प्रकाशित हुई। इंदौर से दो स्वास्थ्य संबंधी मासिक पत्र 'आरोग्य विज्ञान' (1932), 'आरोग्य' (1933) प्रकाशित होते थे। 1931 मे इंदौर की पहली मासिक फिल्म पत्रिका 'मंच' का प्रकाशन प्रारंभ हुआ। 26 जनवरी 1940 से साप्ताहिक 'प्रजा मण्डल पत्रिका' का प्रकाशन आरंभ हुआ इसके प्रधान संपादक श्री कृष्णकांत व्यास एवं संपादक श्री बेजनाथ थे ओर प्रकाशक पु. ग. खांडेकर थे। 1942 में इंदौर के मिल मजदूर संघ ने एक साप्ताहिक पत्र 'मजदूर संदेश' प्रकाशित किया इसके संपादक श्री लाड़ली प्रसाद सेठी थे। किन्तु इसके पहले अंक पर ही प्रतिबंध लग गया। 1943 में इंदौर से मासिक पत्रिका 'नाव-निर्माण' का प्रकाशन हुआ इसके संपादक श्री शिकार जैन एवं रामकृष्ण वर्मा थे। 25 अगस्त 1945 से इंदौर से एक साप्ताहिक 'अशोक' प्रारंभ हुआ जिसके संपादक श्री खेमराज जैन श्री कृष्ण चंद मूदगल थे एवं संचालक श्री ब्रजकृष्ण भार्गव थेइशी समय एक जातीय पत्र 'मोढ़ मित्र' तथा मटाथी पत्रिका मासिक 'मंदार' का प्रकाशन आरंभ हुआ। 22 मार्च 1946 से 'इंदौर समाचार' का प्रकाशन आरंभ हुआ इसके प्रधान संपादक श्री सोहन मेहरा थे जो वर्तमान मे भी प्रकाशित हो रहा है।

इंदौर में यह पत्रकारिता के युगांतकारी समय था इस समय इंदौर की सामंतीय व्यवस्था का विरोध एवं स्वराज्य की बात करना खतरनाक था। आजादी के पूर्व इंदौर मे प्रेस का अभूतपूर्व विकास हुआ है।

**ग्रंथ संदर्भ सूची**

1. मध्यप्रदेश मे पत्रकारिता का इतिहास – संपादक विजय दत्त श्रीधर
2. मध्यप्रदेश मे स्वाधीनता आंदोलन – शंभू दयाल गुरु
3. इंदौर जिला गजेटियर 1971 – संपादक पी. एन. श्रीवास्तव
4. मालवा मे युगांतर – श्री रघुबीर सिंह
5. देशी रियासतों मे स्वाधीनता संग्राम का इतिहास – राजेन्द्र लाल हांडा